JPSC पूर्व अध्यक्ष गिरफ्तार! CID का बड़ा एक्शन, खुला OMR शीट का राज

विषय सूची (Table of Contents):

>> JPSC पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते गिरफ्तार झारखंड में CID का बड़ा एक्शन...
>> रांची स्थित कार्यालय से हुई त्वरित कार्रवाई...
>> प्रशासनिक महकमे में मचा हड़कंप...
>> पूछताछ के बाद शिकंजा CID दफ्तर से सीधे अदालत में पेशी की तैयारी...
>> सघन पूछताछ और साक्ष्यों का संकलन...
>> अदालत से रिमांड मांगने की संभावना...
>> क्या हैं गंभीर आरोप? JPSC परीक्षाओं में धांधली और OMR शीट से छेड़छाड़...
>> OMR शीट में हेरफेर और टेंपरिंग...
>> अयोग्य अभ्यर्थियों को फायदा पहुंचाने का आरोप...
>> 28 जुलाई से चल रही थी जांच जानिए CID की अब तक की कार्रवाई...
>> 28 जुलाई से शुरू हुआ समन और पूछताछ का दौर...
>> कानूनी नियमों और साक्ष्यों का मिलान...
>> झारखंड में क्यों भड़का छात्र आंदोलन? अभ्यर्थियों की प्रमुख मांगें...
>> छात्रों के उग्र प्रदर्शन की वजहें...
>> अभ्यर्थियों की प्रमुख मांगें...
>> 14वीं सिविल सेवा परीक्षा पर असर जांच के बीच क्या होगा आगे?...
>> क्या परीक्षा रद्द होगी या दोबारा होगी?...
>> अभ्यर्थी लेटेस्ट अपडेट पर बनाए रखें नजर...
>> CID जांच का दायरा क्या इस मामले में और बड़े नाम आ सकते हैं सामने?...
>> व्हाइट कॉलर करप्शन पर नकेल...
>> भविष्य की परीक्षाओं में सुधार की उम्मीद...
>> निष्कर्ष...
>> आपके सवाल, हमारे जवाब...

झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) की परीक्षाओं में हुई कथित अनियमितताओं और धांधली के मामले में सीआईडी (CID) ने एक ऐतिहासिक और बड़ी कार्रवाई की है। राज्य में लगातार बढ़ रहे छात्र आंदोलन और प्रशासनिक दबाव के बीच CID की टीम ने JPSC के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते को गिरफ्तार कर लिया है।

इस गिरफ्तारी के बाद झारखंड की राजनीति और प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। राजधानी रांची में CID की टीम पूर्व अध्यक्ष से गहन पूछताछ कर रही है और उन्हें कानूनी प्रक्रियाओं के तहत अदालत में पेश करने की तैयारी की जा रही है।

JPSC पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते गरिफ्तार: झारखंड में CID का

झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में CID द्वारा JPSC के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते की गरिफ्तारी को भ्रष्टाचार के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है।

रांची स्थित कार्यालय से हुई त्वरित कार्रवाई

सूत्रों के अनुसार, CID की विशेष जांच टीम ने रांची में कार्रवाई करते हुए पूर्व अध्यक्ष को अपनी हिरासत में लिया। इसके तुरंत बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच सीआईडी के मुख्य कार्यालय लाया गया, जहां वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में उनसे पूछताछ की गई।

प्रशासनिक महकमे में मचा हड़कंप

एक पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और JPSC के शीर्ष पद पर रह चुके व्यक्ति की गरिफ्तारी से राज्य सरकार और परीक्षा तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। इस कार्रवाई के बाद से अन्य संदिग्ध अधिकारियों और कर्मचारियों की धड़कनें भी तेज हो गई हैं।

पूछताछ के बाद शिकंजा: CID दफ्तर से सीधे अदालत में पेशी की तै

गरिफ्तारी के तुरंत बाद CID ने कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करना शुरू कर दिया है। प्राथमिक पूछताछ की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जांच एजेंसी उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की योजना बना रही है।

सघन पूछताछ और साक्ष्यों का संकलन

CID दफ्तर में हुई पूछताछ के दौरान जांच अधिकारियों ने पूर्व अध्यक्ष के सामने कई डिजिटल साक्ष्य, ओएमआर शीट के रिकॉर्ड और पूर्व में जब्त किए गए दस्तावेज रखे। अधिकारियों का मुख्य उद्देश्य धांधली के पूरे नेटवर्क और इसके मुख्य साजिशकर्ताओं का पर्दाफाश करना है।

अदालत से रिमांड मांगने की संभावना

कानूनी सूत्रों का कहना है कि शाम तक एल. खियांग्ते को अदालत में पेश किया जाएगा। CID अदालत से पूर्व अध्यक्ष की पुलिस रिमांड की मांग कर सकती है, ताकि घोटाले की गहराई तक जाकर अन्य सबूतों और लेनदेन का ब्यौरा हासिल किया जा सके।

क्या हैं गंभीर आरोप? JPSC परीक्षाओं में धांधली और OMR शीट से

JPSC की कार्यशैली पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। विशेष रूप से 14वीं सिविल सेवा परीक्षा और अन्य विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के संचालन के दौरान बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

OMR शीट में हेरफेर और टेंपरिंग

जांच एजेंसी के अनुसार, सबसे बड़ा आरोप ओएमआर (OMR) शीट में फेरबदल करने का है। आरोप है कि अयोग्य अभ्यर्थियों को पास कराने के लिए उत्तर पुस्तिकाओं और डिजिटल रिकॉर्ड के साथ छेड़छाड़ की गई थी, जिससे योग्य उम्मीदवारों का चयन रुक गया।

अयोग्य अभ्यर्थियों को फायदा पहुंचाने का आरोप

जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया है कि मेरिट list और कट-ऑफ अंकों को प्रभावित करने के लिए सुनियोजित तरीके से फर्जीवाड़ा किया गया। रिश्वतखोरी और पहुंच के दम पर अयोग्य उम्मीदवारों के रोल नंबर को पास सूची में शामिल कराने के आरोप हैं।

28 जुलाई से चल रही थी जांच: जानिए CID की अब तक की कार्रवाई

एल. खियांग्ते की गिरफ्तारी अचानक नहीं हुई है, बल्कि इसके पीछे CID की लंबी और बारीकी से की गई कानूनी जांच शामिल है। जांच एजेंसी पिछले कई हफ्तों से इस मामले की कड़ियों को जोड़ रही थी।

28 जुलाई से शुरू हुआ समन और पूछताछ का दौर

बता दें कि CID ने 28 जुलाई से ही पूर्व अध्यक्ष से पूछताछ की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। उन्हें कई बार समन जारी कर जांच अधिकारियों के समक्ष उपस्थिति होने का निर्देश दिया गया था। कई दौर की बातचीत में उनके बयानों में विरोधाभास पाया गया।

कानूनी नियमों और साक्ष्यों का मिलान

जांच टीम ने सरकारी नियमों और प्रशासनिक कानूनों के तहत दस्तावेजों की जांच की। यदि आप भारत के विभिन्न कानूनी प्रावधानों और अधिनियमों को गहराई से समझना चाहते हैं, तो इंडिया कोड: भारत के सभी कानून और अधिनियम अब एक ही पोर्टल पर! लेख के माध्यम से संबंधित पोर्टलों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

झारखंड में क्यों भड़का छात्र आंदोलन? अभ्यर्थियों की प्रमुख म

JPSC की कार्यप्रणाली के विरोध में पूरे झारखंड में युवाओं और प्रतियोगी छात्रों का गुस्सा चरम पर है। रांची की सड़कों पर हजारों अभ्यर्थी लगातार प्रदर्शन और धरना दे रहे हैं।

छात्रों के उग्र प्रदर्शन की वजहें

छात्रों का आरोप है कि वर्षों की मेहनत के बावजूद धांधली और भ्रष्टाचार के कारण योग्य उम्मीदवारों का चयन नहीं हो पाता है। परिणाम जारी होने के बाद जब कट-ऑफ और मार्क्स में विसंगतियां देखी गईं, तो छात्रों ने आंदोलन का रास्ता चुना।

अभ्यर्थियों की प्रमुख मांगें

>> निष्पक्ष जांच:परीक्षा प्रक्रिया में शामिल सभी दोषी अधिकारियों की तत्काल गिरफ्तारी की जाए।

>> पारदर्शिता और स्टेटस चेक:परीक्षा प्रणाली में सुधार कर अभ्यर्थियों को उनकी OMR शीट की कॉपी देखने औरstatus checkकरने की पारदर्शी सुविधा दी जाए।

>> पुनर्मूल्यांकन और नई लिस्ट:प्रभावित परीक्षाओं के परिणामों की पुनर्जांच कर शुद्धPDF listजारी की जाए।

झारखंड में नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए अन्य क्षेत्रों में भी कई अवसर उपलब्ध हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रMAIN NEWS HEADLINE: चाहिए सरकारी नौकरी? तो इन पदों पर कर लें आवेदन, ग्लिक पर क्लिक कर नए जॉब नोटिफिकेशन्स देख सकते हैं औरapply onlineकर सकते हैं।

14वीं सिविल सेवा परीक्षा पर असर: जांच के बीच क्या होगा आगे?

पूर्व अध्यक्ष की गिरफ्तारी के बाद 14वीं सिविल सेवा परीक्षा की प्रक्रिया पर संशय के बादल मंडराने लगे हैं। लाखों उम्मीदवार

अब इस सोच में हैं कि परीक्षा का भविष्य क्या होगा।

क्या परीक्षा रद्द होगी या दोबारा होगी?

फिलहाल राज्य सरकार और आयोग की ओर से परीक्षा रद्द करने को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि, CID की अंतिम जांच रिपोर्ट के आधार पर ही यह तय होगा कि पूरी परीक्षा प्रक्रिया रद्द की जाएगी या केवल प्रभावित परिणामों को संशोधित किया जाएगा।

अभ्यर्थी लेटेस्ट अपडेट पर बनाए रखें नजर

प्रतियोगी छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी अफ़वाह पर ध्यान न दें और आयोग के आधिकारिक पोर्टल से हीlatest update 2026प्राप्त करें। जिस तरह से देश में खेल की दुनिया में बड़े बदलाव देखने को मिलते हैं जैसेIND vs ENG: प्लेइंग 11 से बाहर हुए केएल राहुल, गिल ने बताई असली वजह!की खबर से हलचल मची थी वैसे ही प्रशासनिक परीक्षाओं में भी यह कार्रवाई बड़े बदलाव का संकेत दे रही है।

CID जांच का दायरा: क्या इस मामले में और बड़े नाम आ सकते हैं

एल. खियांग्ते की गिरफ्तारी इस घोटाले की अंतिम कड़ी नहीं बल्कि शुरुआत मानी जा रही है। CID अब इस मामले से जुड़े अन्य मध्यस्थों, कोचिंग सेंटरों और आयोग के कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

व्हाइट कॉलर करप्शन पर नकेल

जांच एजेंसी इस बात का पता लगा रही है कि क्या इस फर्जीवाड़े में कोई बड़ा वित्तीय लेन-देन हुआ था। अगर मनी ट्रेल का सुराग मिलता है, तो इस मामले में अन्य जांच एजेंसियों का प्रवेश भी संभव है।

भविष्य की परीक्षाओं में सुधार की उम्मीद

राज्य सरकार पर अब एक निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली विकसित करने का दबाव है। उम्मीद की जा रही है कि इस सख्त कार्रवाई के बाद आने वाले विज्ञापनों में पारदर्शिता लाने के लिए सख्त नियम लागू किए जाएंगे।

निष्कर्ष

JPSC के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते की CID द्वारा गिरफ्तारी झारखंड में प्रशासनिक भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक कदम साबित हो सकती है। छात्र आंदोलन के बीच हुई इस बड़ी कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। अब सभी की निगाहें अदालत के फैसले और CID की अगली जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं।

आपके सवाल, हमारे जवाब

उन्हें JPSC परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर हुई धांधली, OMR शीट के साथ छेड़छाड़ करने और अयोग्य अभ्यर्थियों को पास कराने के गंभीर आरोपों में CID द्वारा गिरफ्तार किया गया है।

CID ने इस मामले में 28 जुलाई से ही पूछताछ शुरू कर दी थी और कई दौर के समन व पूछताछ के बाद अंततः उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

CID जांच की रिपोर्ट के आधार पर आयोग परीक्षा या परिणामों की समीक्षा कर सकता है। आधिकारिक फैसला आने तक अभ्यर्थी आयोग के लेटेस्ट अपडेट पर नजर रखें।

अभ्यर्थी परीक्षाओं में पारदर्शिता, फर्जीवाड़ा करने वालों की गिरफ्तारी, OMR शीट की पारदर्शी जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे।

CID पूर्व अध्यक्ष को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग करेगी, ताकि घोटाले में शामिल अन्य गिरोह और अधिकारियों के नामों का खुलासा किया जा सके।

यदि CID जांच में परिणाम प्रभावित होने के पुख्ता सबूत मिलते हैं, तो आयोग अयोग्य उम्मीदवारों को हटाकर संशोधित PDF list जारी कर सकता है।

उम्मीदवार JPSC की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना रोल नंबर डालकर रिजल्ट स्टेटस और नवीनतम सूचनाएं चेक कर सकते हैं।

जी हां, CID की जांच का दायरा काफी बड़ा है और पूछताछ के दौरान मिलने वाले सुरागों के आधार पर कुछ अन्य अधिकारियों पर भी गाज गिर सकती है।